



# हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय Central University of Himachal Pradesh

(Accredited by NAAC with 'A+' Grade with CGPA of 3.42)

(पादप विज्ञान विभाग / Department of Plant Sciences)

शाहपुर परिसर, ज़िला काँगड़ा, हिमाचल प्रदेश -176206



## Report

### **On occasion of “International Year of Millets”**

Department of Plant Science, Central University of Himachal Pradesh organized a one-day Seminar on “Millets: Food for Future”.

The Department of Plant Science, Central University of Himachal Pradesh, Shahpur Parisar on 20, October 2022 Organized a Seminar on “Millets: Food for Future”. The seminar was organized under the guidance of Prof. Pardeep Kumar, Dean, School of Life Sciences, Head, Department of Plant Science and Dean Academics. The guest speaker was Dr. Gopal Katna, Principal Scientist (Plant Breeding), Department of Organic Agriculture and Natural Farming, COA, CSK HPKV Palampur, H.P. All the faculty members, Research Scholars, and Postgraduate students were present in the seminar. The seminar's main objective was to acquire knowledge about the Importance of the Millet. He shared his valuable knowledge about the millets and their scopes in the upcoming future.

He explained Why millets are called supper food? Millets are called the “Miracle grains/Adbhut Anaj, and Nutra-cereals due to the presence of high vitamins, minerals, and protein content. All millets have small seeds. According to the Food Safety and Standard Authority of India (FSSAI) Millets are high in dietary fibers specifically millets contain 7-12 % protein, 2-5 %fat, 65-75% carbohydrates, and 15-20% dietary fiber. Due to their high density of nutrients including vitamins, minerals, phytochemicals, and dietary fibers. Millets are also excellent grains to eliminate malnutrition and micronutrient deficiency. Additionally, millets do not require high-quality soil to grow and can be grown under hard conditions. Different types of millets grown in Himachal Pradesh are Finger Millet, Foxtail Millets, Proso Millet, Barnyard Millet. India leading the world towards superfood. To create domestic and global demand & to provide nutritional food to the people, GOI had proposed to United Nations for declaring 2023 as the International Year of Millets, which was supported by 72 countries and United Nations General Assembly declared 2023 as the International Year of Millets. Ministry of Consumer Affairs Food and Public distribution under the Department of Food and Public Distribution GOI has directed to introduce and promote Millets in their Canteens and meetings.

Department of Agriculture and Farmers Welfare on the MyGov platform has launched various competitions to raise awareness of the benefits of the Millets. The completion includes designing “comic story contest on Millets”, “Mighty Millets Quiz” and “Millets startup innovation challenge”. This Millets Startup innovation challenge was launched on 10<sup>th</sup> September 2022. It will encourage the young mind to offer technological/ business solutions to the existing problem in the millets ecosystem. The challenge will remain open till 31<sup>st</sup> January 2023. India’s proposal to the UN for the proportion of the millets. In 2018 the GOI decided to mark the National Year of Millets. In the same year, the government also notified Millets as Nutra cereals and included them under the “Poshan Mission Abhiyan”. It is a proud movement for Indian farmers as India is the largest producer of Millets in the world.

Accounting for 20 % of global production and 80% of Asia’s production. According to FAO, the aim for 2023 is to increase awareness about millets in food security and nutrition. It also aims to encourage investment in research and development. India is the 5th largest exporter of millets. In 2020-2021 India’s millets export was valued at USD- 26.97 million. PM, Narendra Modi highlighted the benefits of millets to both farmers and consumers in “Mann Ki Bat”. Millets are gluten-free so they can be considered as good food for people having a gluten allergy. Nowadays there is a decrease in the consumption millets due assumption that this is “food for the poor” and people are unaware about the benefits of millets.

The Speaker responded to the queries of the students on various aspects of Millets cultivation. All the faculty members and a total of 80 students including RD Scholars and students, School of Life Sciences were present in the expert lecture. The session was ended with a formal vote of thanks. The event was coordinated by all faculties of the Department of Plant Science.





धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के शाहपुर परिसर में पादप विज्ञान विभाग, की ओर से "बाजरा: भविष्य के लिए भोजन" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संबंध में विभिन्न समाचारपत्रों में प्रकाशित समाचार-

# कुपोषण की कमी को दूर करने के लिए बाजरा उत्कृष्ट अनाज

■ केंद्रीय विधि के शाहपुर परिसर में 'बाजरा: भविष्य के लिए भोजन' विषय पर हुई संगोष्ठी

## आज समाज नेटवर्क

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के शाहपुर परिसर में पादप विज्ञान विभाग, की ओर से बाजरा: भविष्य के लिए भोजन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया।

संगोष्ठी का आयोजन प्रो. प्रदीप कुमार, अधिका, स्कूल ऑफ लैण्डस्केप सर्वेक्षण, डेप्ट. प्लंट साइंस विभाग और अधिका अकादमिक के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय अधिका डॉ. योगेश कटन, प्रधान वैज्ञानिक (पौध प्रजनन), जैविक कृषि और प्राकृतिक खेती विभाग, सीओए, कृषि विधि शाहपुर में बात किया।

इस संगोष्ठी में सभी संलग्न सदस्य, अनुसंधान विभाग और स्नातकोत्तर छात्र मौजूद रहे। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बाजरा के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान करना था। उन्होंने अपने अपने बोलचाल में बाजरा और उसके क्षेत्र के बारे में अत्यंत बहुमुखी ज्ञान साझा किया।

उन्होंने बताया कि उष्ण विटामिन, खनिज और प्रोटीन सामग्री को उपस्थिति के कारण बाजरा को पर्यावरण अनुकूल/अदम्य अनाज, और ग्लूट-अनाज कहा जाता है। सभी बाजरा में खंडे बीज होते हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसडीआई) के अनुसार, बाजरा आहार परचम में उष्ण होते हैं, विशेष रूप से बाजरा में 7-12 प्रतिशत प्रोटीन, 2-5 प्रतिशत वसा, 65-75 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और 15-20 प्रतिशत अकार्बनिक पदार्थ होते हैं।

विटामिन, फाइबर, फोस्फोरस, खनिज और आहार पदार्थ सहित



उत्कृष्ट अनाज है। इसके अतिरिक्त, बाजरा को बढ़ने के लिए उष्ण गुणवत्ता वाली मिट्टी की आवश्यकता नहीं होती है और इसे कठिन परिस्थितियों में उष्णता सहन करता है। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश में उष्णता सहने वाले विभिन्न प्रकार के बाजरा किन्नर बाजरा, परीकटेल बाजरा, प्रोसे बाजरा, कार्बोई बाजरा हैं। भारत दुनिया को सुगरूट की ओर ले जा रहा है।

परिष्कृत और वैश्विक मांस पैदा करने और लोगों को पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए, भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्र की 2023 की अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित करने का प्रस्ताव दिया था जिसे 72 देशों द्वारा समर्थित किया गया था और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में घोषित किया था।

उन्होंने कहा कि खाद्य और सार्वजनिक विज्ञान विभाग के सहित उपस्थित सम्मले खाद्य और सार्वजनिक विज्ञान संस्थान भारत सरकार ने अपनी केंद्रीय और क्षेत्रीय में बाजरा पैदा करने और बढ़ावा देने का मिशन दिया है। इस संदर्भ में पृथ्वी और किसान कल्याण विभाग ने बाजरा के लक्ष्यों के बारे में जानकारी बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रयोगशाला शुरू की है।

पूरा होने में बाजरा पर हास कठोरी प्रसिद्धि, राष्ट्रीय मिनेट्स किचन और मिनेट्स स्टार्टअप इन्क्यूबेशन केंद्रों के सहित कार्य प्रारंभ है। यह बाजरा स्टार्टअप सभापर सुनौरी 10 मिनट 2022 को शुरू की गई थी। यह एक

सुनौरी 31 जनवरी 2023 तक सुनौरी रहेगी। उन्होंने बताया कि 2018 में भारत सरकार ने बाजरा के राष्ट्रीय वर्ष को घोषित करने का निर्णय लिया। उन्नीस वर्षों में भी अधिष्ठीक किया और उन्नीस प्रयोग मिशन अभियान के सहित समित किया। यह भारतीय किसानों के लिए एक वर्ष का अवसर है। इसका कारण है कि भारत दुनिया में बाजरा का सबसे बड़ा उत्पादक है।

वैश्विक उत्पादन का 20 और एशिया के उत्पादन का 80 प्रतिशत है। एशिया के अनुसार, 2023 का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा और पोषण में बाजरा के बारे में जानकारी बढ़ाना है। भारत बाजरा का 5वां सबसे बड़ा निर्यातक है। 2020-2021 में भारत के बाजरा निर्यात का मूल्य पचास बिलियन डॉलर था। प्रथमचरी पर्यट क्षेत्रों के साथ बाजरा में किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को बाजरा के लक्ष्यों पर प्रकाश डालना।

बाजरा को बहुउद्देश्य एलर्जी वाले लोगों के लिए अत्यंत भोजन माना जा सकता है। अत्यंत बाजरा की खपत में सभी इस बाजरा के कारण हो रही है कि यह पत्थरी के लिए भोजन है और लौह बाजरा के लक्ष्यों में अग्रज है। इस मौके पर उन्होंने बाजरा की खेती के विभिन्न पहलुओं पर खेती के प्रदर्शों का उल्लेख किया। विशेष परामर्श में स्कूल ऑफ लैण्डस्केप सर्वेक्षण के अग्रणी स्कीपर्स और स्टूडेंट्स समेत सभी पैरामेडी मेम्बर्स और कुल 80 स्टूडेंट्स मौजूद थे।

## हपुर परिसर में भोजन विषय पर संगोष्ठी

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विधि के शाहपुर परिसर में पादप विज्ञान विभाग के लिए भोजन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी का आयोजन प्रो. प्रदीप कुमार, अधिका, स्कूल ऑफ लैण्डस्केप सर्वेक्षण, डेप्ट. प्लंट साइंस विभाग और अधिका अकादमिक के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय अधिका डॉ. योगेश कटन, प्रधान वैज्ञानिक (पौध प्रजनन), जैविक कृषि और प्राकृतिक खेती विभाग, सीओए, कृषि विधि शाहपुर में बात किया। इस संगोष्ठी में सभी संलग्न सदस्य, अनुसंधान विभाग और स्नातकोत्तर छात्र मौजूद रहे। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बाजरा के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान करना था। उन्होंने अपने बोलचाल में बाजरा और उसके क्षेत्र के बारे में अत्यंत बहुमुखी ज्ञान साझा किया।

## बाजरा भविष्य के लिए भोजन, विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के शाहपुर परिसर में पादप विज्ञान विभाग की ओर से बाजरा: भविष्य के लिए भोजन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी का आयोजन प्रो. प्रदीप कुमार, अधिका, स्कूल ऑफ लैण्डस्केप सर्वेक्षण, डेप्ट. प्लंट साइंस विभाग और अधिका अकादमिक के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय अधिका डॉ. योगेश कटन, प्रधान वैज्ञानिक (पौध प्रजनन), जैविक कृषि और प्राकृतिक खेती विभाग, सीओए, कृषि विधि शाहपुर में बात किया। इस संगोष्ठी में सभी संलग्न सदस्य, अनुसंधान विभाग और स्नातकोत्तर छात्र मौजूद रहे। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बाजरा के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान करना था। उन्होंने अपने बोलचाल में बाजरा और उसके क्षेत्र के बारे में अत्यंत बहुमुखी ज्ञान साझा किया। उन्होंने बताया कि उष्ण विटामिन, खनिज और प्रोटीन सामग्री को उपस्थिति के कारण बाजरा को पर्यावरण अनुकूल/अदम्य अनाज, और ग्लूट-अनाज कहा जाता है। सभी बाजरा में खंडे बीज होते हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसडीआई) के अनुसार, बाजरा आहार परचम में उष्ण होते हैं, विशेष रूप से बाजरा में 7-12 प्रतिशत प्रोटीन, 2-5 प्रतिशत वसा, 65-75 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और 15-20 प्रतिशत अकार्बनिक पदार्थ होते हैं।

## कुपोषण को दूर करने और बेहतर सेहत के लिए बाजरा उत्कृष्ट अनाज

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के शाहपुर परिसर में पादप विज्ञान विभाग की ओर से बाजरा: भविष्य के लिए भोजन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी का आयोजन प्रो. प्रदीप कुमार, अधिका, स्कूल ऑफ लैण्डस्केप सर्वेक्षण, डेप्ट. प्लंट साइंस विभाग और अधिका अकादमिक के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय अधिका डॉ. योगेश कटन, प्रधान वैज्ञानिक (पौध प्रजनन), जैविक कृषि और प्राकृतिक खेती विभाग, सीओए, कृषि विधि शाहपुर में बात किया। इस संगोष्ठी में सभी संलग्न सदस्य, अनुसंधान विभाग और स्नातकोत्तर छात्र मौजूद रहे। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बाजरा के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान करना था। उन्होंने अपने बोलचाल में बाजरा और उसके क्षेत्र के बारे में अत्यंत बहुमुखी ज्ञान साझा किया। उन्होंने बताया कि उष्ण विटामिन, खनिज और प्रोटीन सामग्री को उपस्थिति के कारण बाजरा को पर्यावरण अनुकूल/अदम्य अनाज, और ग्लूट-अनाज कहा जाता है। सभी बाजरा में खंडे बीज होते हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसडीआई) के अनुसार, बाजरा आहार परचम में उष्ण होते हैं, विशेष रूप से बाजरा में 7-12 प्रतिशत प्रोटीन, 2-5 प्रतिशत वसा, 65-75 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और 15-20 प्रतिशत अकार्बनिक पदार्थ होते हैं।

*Jhu*  
विभागाध्यक्ष, पादप विज्ञान विभाग  
Head, Department of Plant Sciences  
हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला  
Central University of Himachal Pradesh, Dharamshala  
PO Box: 21, Dharamshala, Himachal Pradesh - 176215



Date : 20/10/2022

A Seminar on "Millets: Food for Future" on the occasion of "International Year of Millets", on 20<sup>th</sup> October 2022 by Prof. Gopal Katna, key note speaker from CSK-HPKV Palampur at 11:00 AM in the Seminar hall, Shekpur Campus.

Following faculty members and students attended the Seminar

Name	Signature
1. Prof. Gopal Katna	
2. Prof. Pardeep Kumar	
3. Prof. Sunil Kumar	
4. Dr. Mahesh Kulkarni	
5. Dr. Rakesh Kumar	
6. Dr. Ashim Chandel	
7. Dr. Munish Sharma	
8. Mr. Rajinder Kumar (Ph.D. scholar)	
9. Amandeep Dogra Phd Plant Science	
10. Ramandeep M.Sc. Plant science	
11. Reeta Devi M.Sc. Plant Science	
12. Diksha M.Sc. Plant Science	
13. Kiran Thakur M.Sc. Plant Science	
14. Diksha Katoch " " "	
15. Muskan Dhiman M.Sc. Plant Science	
16. Anchal Kumari M.Sc. Plant Science	
17. Neelam Kumari M.Sc. Plant Science	
18. Anchal Thakur M.Sc. Plant Science	
19. Ambika Thakur M.Sc. Plant Science	
20. Nikita " " "	
21. Ritika Dhiman " " "	

22	Shailja	M.Sc. Plant Sciences	Shailja
23	Sarika	M.Sc. Plant Science	Sarika
24	Nancy	M.Sc. Plant Science	Nancy
25	Mansi	M.Sc. Plant Sciences	Mansi
26	Alisha	M.Sc. Plant Sciences	Alisha
27	Shelja	Research Scholar	Shelja
28	Kajal Choudhary	Research Scholar	Kajal
29	Munish Sharma	Research Scholar	Munish
30	Pushpa Culeria	Research Scholar	Pushpa
31	Neha Suleri	Research Scholar	Neha
32	DR. Dixit Sharma	Young Scientist	DR. Dixit Sharma
33	Shivani	M.Sc. Animal Sciences	Shivani
34	Ruchika Kumeri	Research Scholar (Plant Science)	Ruchika
35	Palek Thekar	RD Plant Science	Palek
36	Shilpi	RD Plant Science	Shilpi
37	Maneeta Devi	RD Plant Science	Maneeta
38	Shilpa	RD (PLS)	Shilpa
39	Bhavya	RD (ANS)	Bhavya
40	Poonam	RD (ANS)	Poonam
41	Shivani Koundal	RD (ANS)	Shivani
42	Kanika Choudhary	RD (ANS)	Kanika
43	Deepa	RD (ANS)	Deepa
44	Ashita Sood	RD (CCBB)	Ashita 20/10/2022
45	Varuni Bhardwaj	RD (CCBB)	Varuni 20/10/2022
46	Sharekha Sharma	RD (CCBB)	Sharekha 20/10/2022
47	Nikita	M.Sc. (Animal Science)	Nikita
48	Priyanka	M.Sc. (Animal Science)	Priyanka
49	Mahit Gantam	M.Sc. (Animal Science)	Mahit
50	Virender Kumar	RD (CCBB)	Virender 20/10/2022
47	Shilpa Chauhan	RD (CCBB)	Shilpa 20/10/2022
48	Sweta Devi	RD (CCBB)	Sweta 20/10/2022
49	Kirti	RD (Plant Science)	Kirti 20/10/22



50. Leena Thakur (RD PLS) Leena 20/10/2022
51. Manisha (unazi) MSc (zoology) Manisha
52. Aarti MSc zoology Aarti 20/10/2022
53. Jitendra Singh MSc zoology Jitendra 20/10/2022
54. Ankit MSc zoology Ankit
55. Ashish Pangolia RD-CBB Ashish
56. Keeshal Thakur RDANS Keeshal
57. Jyeshtha choudhary msc botany Jyeshtha
58. Dr. Amit Kr. Sharma Amit
59. DANISH MAHAJAN RDANS (ZOOLOGY) Danish
60. Dr. Leela choudhary CBB Leela
61. Dr. Divya V New Plant Science Divya
62. Dr. Reshna Sinha Animal Sciences Reshna

  
 विभागाध्यक्ष, पादप विज्ञान विभाग  
 Head, Department of Plant Sciences  
 हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला  
 Central University of Himachal Pradesh, Dharamshala  
 PO Box: 21, Dharamshala, Himachal Pradesh - 176215